पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर आठ एंबुलेंस रहेंगी

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

93 फीसदी जमीन गंगा एक्सप्रेस वे के लिए खरीदी जा चुकी है

70 प्रतिशत काम बुंदेलखंड एक्सप्रेव वे का अब तक पूरा हो चुका है

लखनऊ से गाजीपुर तक बन रहा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे अब पूरा होने को है। इसी के साथ अब आगे के काम भी तेजी से शुरू होने जा रहे हैं। एक्सप्रेसवे पर 8 एम्बुलेन्स रहेंगी ताकि हादसे होने पर घायलों को मौके पर उपचार दिया जा सके साथ ही निकट अस्पताल पहुंचाया जा सकेगा। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हादसे रोकने के लिए क्रैश बैरियर होंगे। फेन्सिग की देख-रेख, तोड़-फोड़ की घटनाओं पर नजर रहेगी। एक्सप्रेसवे पर जानवरों के प्रवेश को रोकने का भी इंतजाम होगा।

यूपीडा के सीईओ अवनीश अवस्थी की अध्यक्षता में शनिवार को बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया। एक्सप्रेसवे के हर पैकेज में एक एबुंलेंस रहेगी। इसके लिए एजेंसी का जल्द चयन होगा।

गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के क्रियान्वयन के लिए सिक्योरिटाइजेशन के आधार पर बैंको से ऋण प्राप्त किए जाने के यूपीडा बोर्ड द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए अब 93 प्रतिशत से अधिक जमीन खरीदी जा चुकी है। पूर्वांचल एवं बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे के दोनो किनारों पर इंडस्ट्रीयल हब बनाने हेतु सरकार की ओर से यूपीडा को अधिकृत किया गया। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे का 70 प्रतिशत से अधिक काम हो चुका है।

किनारों पर औद्योगिक कॉरिडोर विकसित होंगे

- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से आच्छादित क्षेत्रों में स्थित विभिन्न उत्पादन ईकाईयों को प्रदेश की राजधानी एवं राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने हेतु एक औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में सहायक होगा।
- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का लोकार्पण अगले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से करवाने की योजना है।
- इसी के साथ एक्सप्रेस वे का मुख्य मार्ग खुल जाएगा और लखनऊ से गाजीपुर का सफर बेहद आरामदेह व जल्द पूरा होगा।

एक्सप्रेस वे पर हादसों के अनुभवों को देखते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर यूपीडा की खास तैयारी है। इस एक्सप्रेस वे पर आठ एंबुलेंस हर वक्त तैयार रहेंगी ताकि हादसे की सूरत में घायलों को मौके पर इलाज मिल सके।

अवनीश अवस्थी, सीईओ यूपीडा